

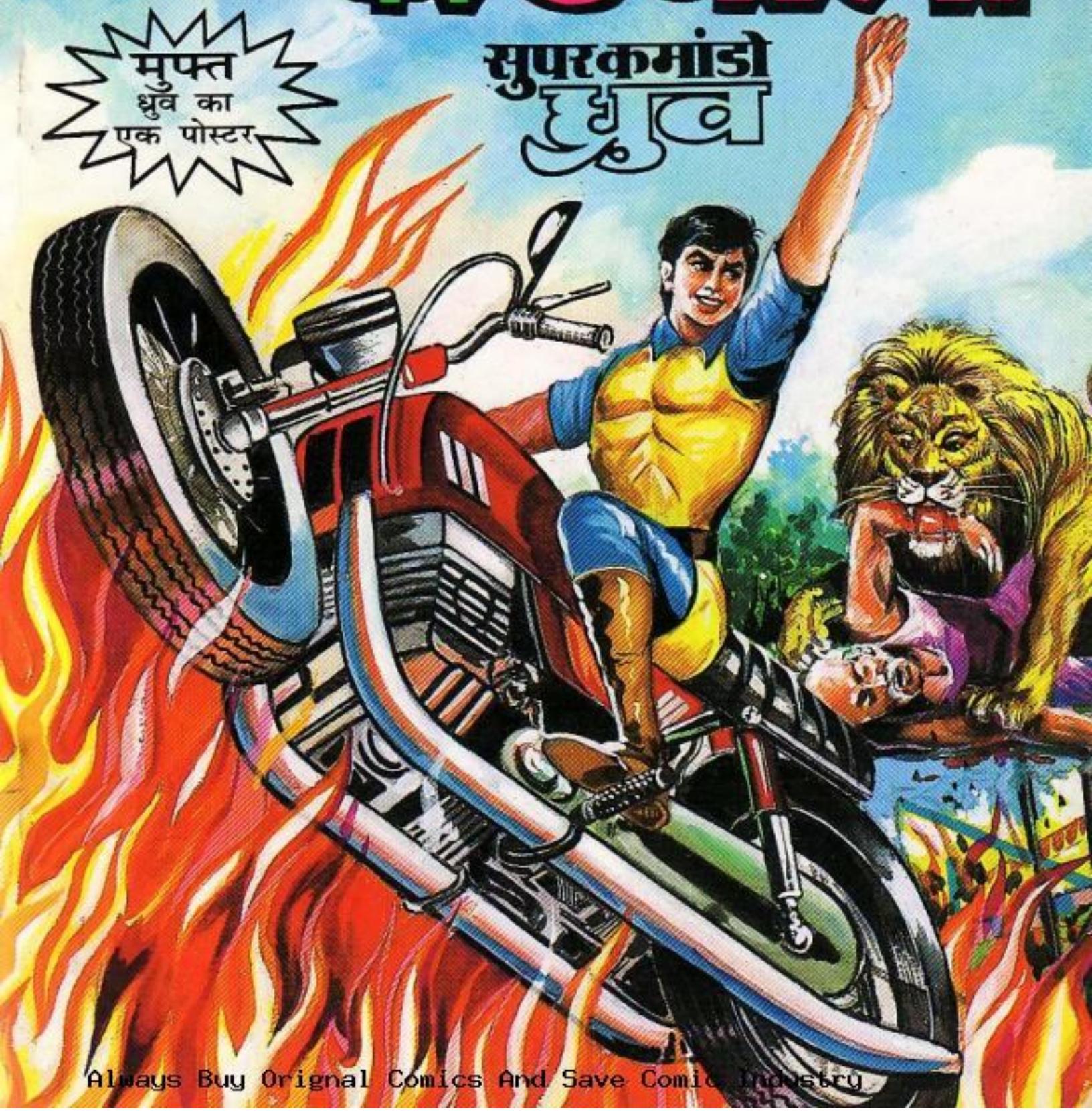
राज  
कॉमिक्स

मूल्य 15.00 संख्या 74

# प्रतिशोध की उवाला

सुपरकमांडो  
द्वारा

मुफ्त  
धुव का  
एक पोस्टर

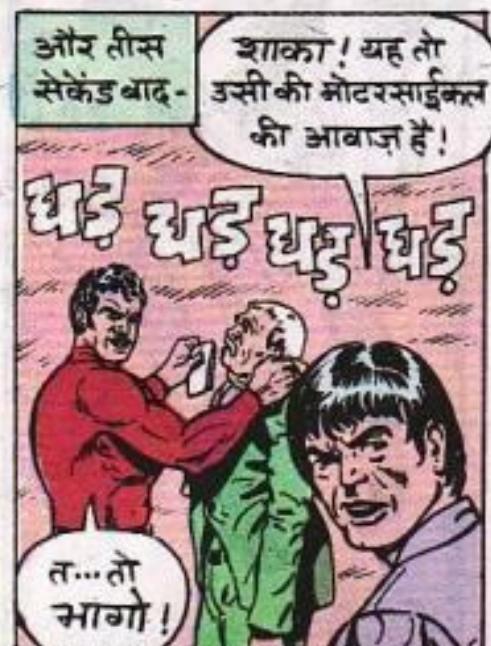


यह कहानी उस युवक की कहानी है जिसने समाज से अपराध के कोद का खात्मा करने का बीड़ा उठाया। यह बीड़ा उठाने वाला हाथ है उस किशोर का जो, आसमान में चमक रहे ध्रुव तारे के समान, अपराध खत्म करने की अपनी प्रतिज्ञा पर अटल है। और जिसका नाम है -

# सुपर कमांडो

# ध्रुव

अपराध कहीं भी किया जा सकता है। पर कुछ स्थान लुटेरों के लिए भी स्वर्ग समान होते हैं!





यह था अपराध के चित्रलाल एक अकेले व्यक्ति की जंग का एक बहुत होटा सा हिस्सा। और यह अकेला व्यक्ति है 'स्पेशल कमांडो फोर्स' का कॉमेन 'सुपर कमांडो ध्रुव'!

ध्रुव - कई असाधारण घटनियों का स्वामी!

## क्वेक्वेक्क

ओह! ममन्त्र गया!!



जिसका सिर्फ नाम सुनकर ही कई अपराधी ग़लत कान ने करने की क्रसम भवालेते हैं।

जो अपराधियों के लिए जौत का पैंचान है और दुखियों के लिए इंसाफ की आवाज!

अपराधियों का यह काल कहाँ से आया? इसका उत्तर या तो आई.जी.राजन जानते हैं या किर ध्रुव का दिल; जिसमें अब तक धधक रही है -

# प्रतिरोध की उपाला

संस्पादक:

मनीष चन्द्र गुप्त  
कथा एवं चित्रांकन:  
अनुपम सिन्हा

दरअसल इस कहानी की शुरुआत, आज से अठारह साल पहले 'जुपिटर सर्कस' से होती है।

जहां अपने-अपने फन में माहिर कलाकार अपनी ओर्डर्चर्चर्जनक कलाओं से जनता का मनोरंजन करते हैं।

और दुरेबाज रंजन

**जुपिटर ड्रॉ सर्कसः**

इस देश का सबसे भवाहूर सर्कस है - जुपिटर !

जिसके धाकू जब हवा में उछलते हैं तो दर्शकों की सांसें गले में ही रुक जाती हैं।

रिंग मास्टर शोरखान !

निशानेबाज़ सुलेमान !

जो आंख पर पट्टी बांधकर भी उड़ती चिड़िया की आख को निशाना बना सकता है !

जिसके धावुक की एक फटकार पर स्कूल्स्वार शोर कुछ भी कर गुजरने को तेयार हो जाते हैं।

मोटर साईकल सवार पवन !

जिसका कारनामा देखते-देखते कई दर्शक दांत से अपनी उंगलियां काट रहते हैं।

स्ट्रांगर्जेन हरक्युलिस !

जिसका जैसा नाम है, वैसा ही काम !

इन सब बेजोड़ कलाकारों के कारण जुपिटर सर्कस का हर शो हाउस-फुल रहता है।

Always Buy Original Comics And Save Comic Industry

4

### राज कॉमिक्स

परंतु इन सबके बावजूद सर्किस का मुख्य आकर्षण है - राधा और श्याम के भूले पर करतब।

- जो जब जमीन से जाठ फुट कपर, हवा में दिश्वाए जाते हैं तो जीचे जाल नहीं लगता !



ऐसे में ज़रा सी भी चूक का अर्थ है. एक निश्चित और दर्दनाक जौत !!

- परंतु ऐसे स्वतरनाक करतबों को दिखाते समय ये कलाकार क्या सोचते रहते हैं? आइए सुनें !



तो सोच क्या रहे हो ?  
शो स्वत्म होने से पहले ही  
कह डालो !

राधा ! राधा !!  
म में तुमसे (गड़ब)  
प्यार करता हूँ  
और ...



...तु... तुम तैयार  
हो... Always Buy

पर इससे पहले कि श्याम,  
राधा का जबाब सूझ पाता



Always Buy Original Comics And Save Comic Industry

### प्रतिशोध की ज्वाला



और सर्किस का मालिक जैकब तो जान छिड़कता था ध्रुव पर !



जानबदें की भी आवा होती है; इस बात का पहसुस नन्हे ध्रुव को बहुत लेजी से हो रहा था।



पांच साल का होते-होते ध्रुव कई कलाओं में माहिर होने लगा था ।

घबराओ भत !  
वह गिरेगा नहीं !



छुरेबाज़ रजन को सबसे ज्यादा भरोसा था, ध्रुव पर !

वाह ! वाह !! सिर्फ आधा इंच की दूरी पर !



मुलेमान को भी दांतों तले उंगली दबानी पड़ी ।

यह तो भेरा  
भी धाप निकलेगा !



जो झोड़, बाघ, शेरखान तक की बात नहीं मानते थे ।

वे ध्रुव के दृश्यारे पर अपनी जान दांब पर लगा देते थे ।



परंतु रस्सी के भूले पर करतब सीखना सबसे क्यादा, कठिन काम होता है। इसके लिए ध्रुव को तब तक इंतज़ार करना पड़ा, जब तक वह तेरह वर्ष का नहीं हो गया।



शाबास, बेटे! पैरों को जितना अधिक मोड़ सकोगे, कलाकारी खाना उतना ही आसान होगा!

मोटरसाईकिल सीखने का भी यही समय था।

बहुत अच्छा ...



... उछलते बक्स बदल को और आगे भुकाया करो...



... लाकर बढ़ाने के लिए कुछ खास व्यायाम जरूरी हैं...



अब समय था धूब के आश्चर्यजनक करिडोरों को जनता के सामने पेशा करने का !

और धूब ने अपने गुरुओं को निशाशा नहीं किया -



जनता धूब के करिडोरों को देखकर भूम उठी।

## कट्टडवृमण



प्रतिशोध की ज्वाला

- लेकिन जैकब की निश्चिंतता के साथ दूसरे सर्किसों के मालिकों की मुसीबतें बढ़ती जा रही थीं।

जैसे कुंदनपुर में चल रहे 'ज़ोतान' सर्किस की!

बॉम्स, इस नाथू ने आज फिर 'ज़ोतान' को मांस का एक टुकड़ा ज्यादा दिया!

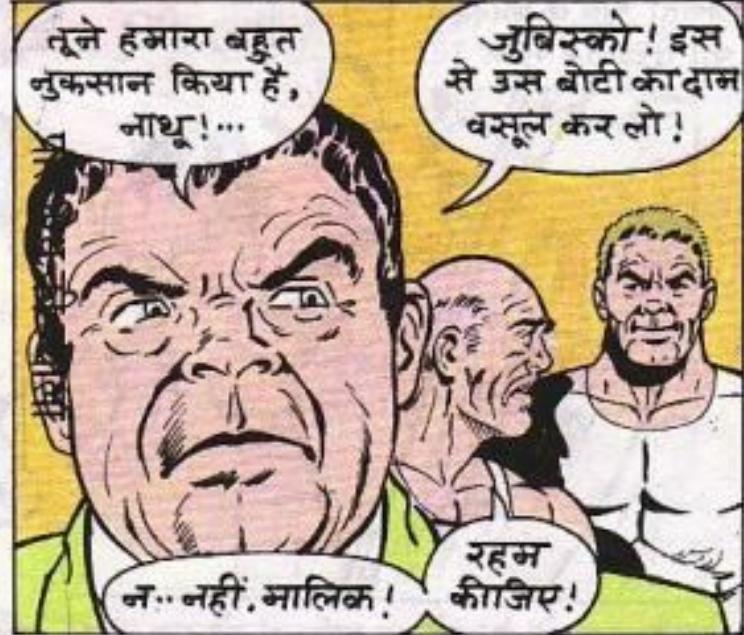


मांस की उस बोटी का दैसा क्या तेरा बाप देगा? बोल!

मा... मालिक! वो... 'ज़ोतान' भूख से रो रहा था ... तो...

तूने हमारा बहुत नुकसान किया है, नाथू! ...

जुविस्को! इस से उस बोटी का दाम बसूल कर लो!



भयभीत नाथू पलटा, लेकिन तभी जुविस्को का बलिष्ठ मुक़का उसके आ लगा -

जुविस्को का दूसरा करारा बार उसपर पड़ चुका था।

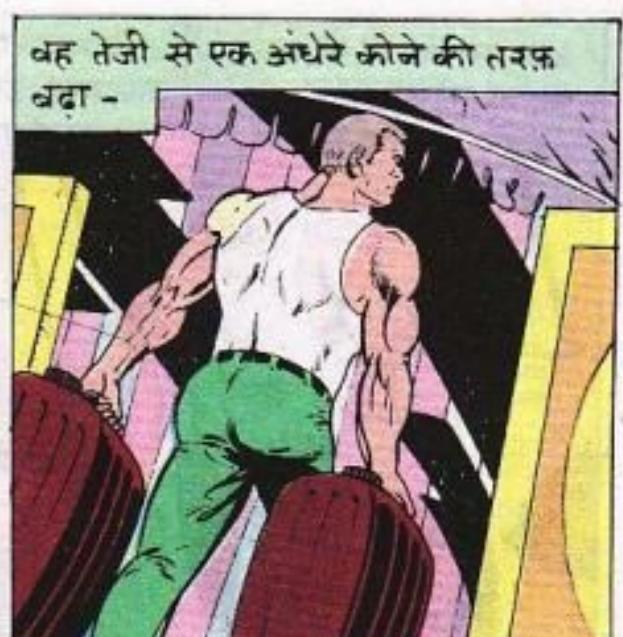
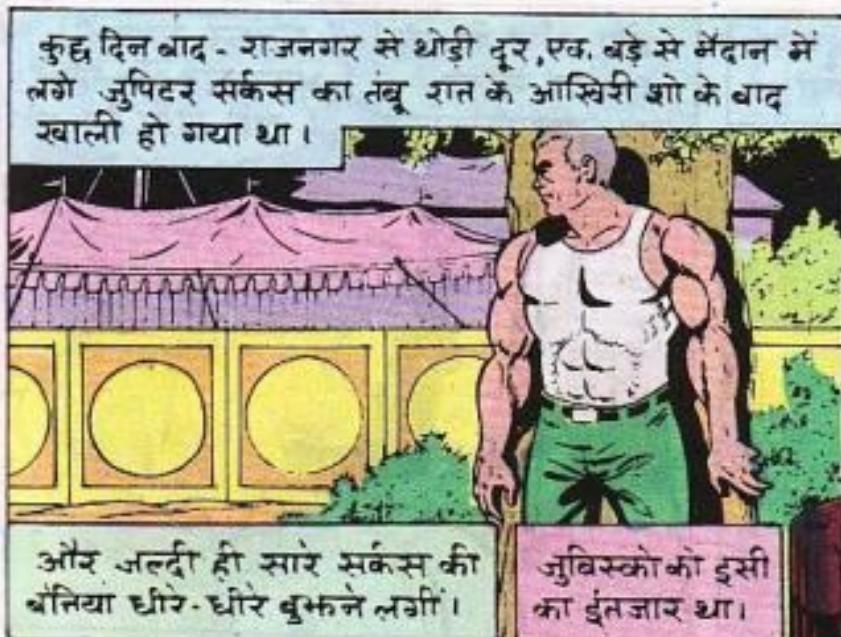
इस बार धीस्बने का कोई मौका न था।





### प्रतिशोध की ज्याला







जुबिस्को को सर्किस के तंबू में घुसते किसी  
ने भी नहीं देखा।



उसके बलिष्ठ हाथों में पेट्रोल से भरा दूसरा  
कनस्तर स्किलोने की तरह भूल रहा था।

वह चुपचाप सर्किस  
के रिंग में पहुंचा।

यहाँ से शुरू करना  
सबसे अच्छा रहेगा!



परंतु जुबिस्को की  
किस्मत उस के साथ  
नहीं थी। -

इयाम अपने भूले की  
नई रस्सियां बांध रहा था।



कौन हो रुक  
तुम ? जाओ !

जुबिस्को मनमङ्ग गया कि अब इयादा  
बच्ना नहीं है।



उसने एक झटके में कनस्तर रिंग के  
फर्जी पर पलट दिया।

महक इयाम के नथुनों तक  
पहुंची और वह लपका।

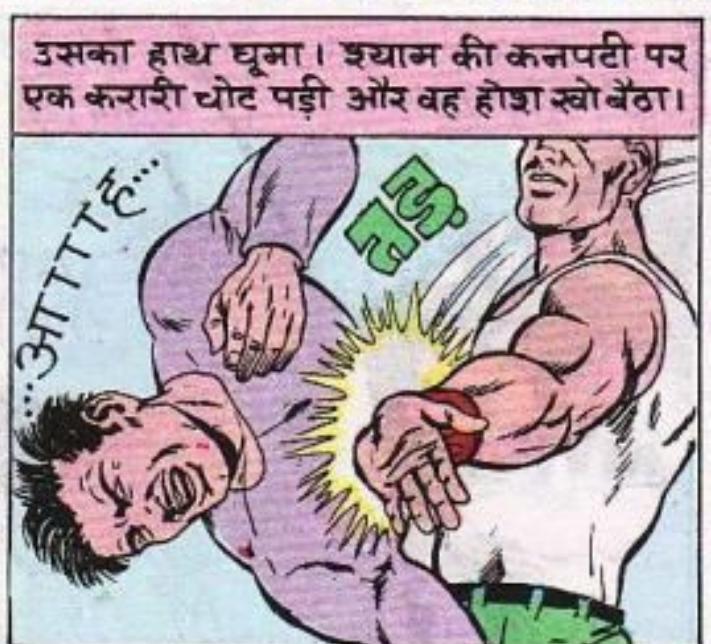
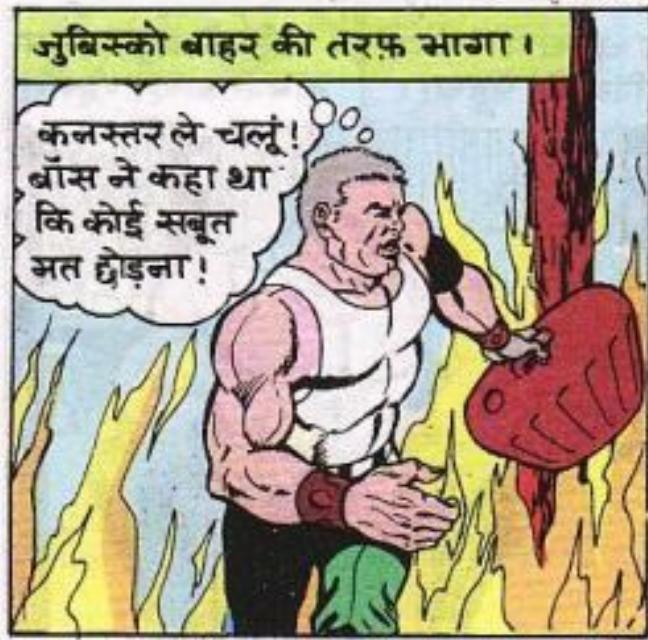
पेट्रोल !



लेकिन तब तक  
देर हो चुकी थी।

आग ! आग !!  
भागो !





जुविस्को ने इयाम को हवा में उठा लिया -



और इससे पहले कि धूब  
आग की लपटों को पार करके उन तक पहुंच पाता-

बेहोड़ा इयाम को जुविस्को  
ने जलती आग में झोंक दिया।

इयाम पल  
भर में रास्ता  
हो गया।



धीर सुनकर  
वह धूब की  
तरफ पलटा।

आग की गोशानी में चमकता हुआ  
जुविस्को का चेहरा, संसार का  
कूरतम चेहरा लग रहा था।

जुविस्को बाहर की  
तरफ भागा -

और धूब उसके  
पीछे लपका।



परंतु अब पकड़े जाने की संभावनाएं बढ़ती जा रही थीं।



उसकी सोचने समझने की ताकत गुम हो  
चुकी थी। अब उसके दिमाग में सिर्फ एक  
ही शब्द बार-बार गूंज रहा था-बदला!!

दोनों के बीच में अब भी काफ़ी दूरी थी -



जुविस्को ने बाहर इंतजार  
कर रही कार का दरवाज़ा खोला -

और कार एक झटके  
के साथ दोड़ पड़ी।

धूब भी बिना कोई  
वक्त स्वोए अपनी मोटर-  
साईकल की तरफ लपका।



और उसकी स्पेशल मोटर साईकल आग की दीवार के ऊपर से कूदती हुई जुविस्को की कार के पीछे लगा गई।



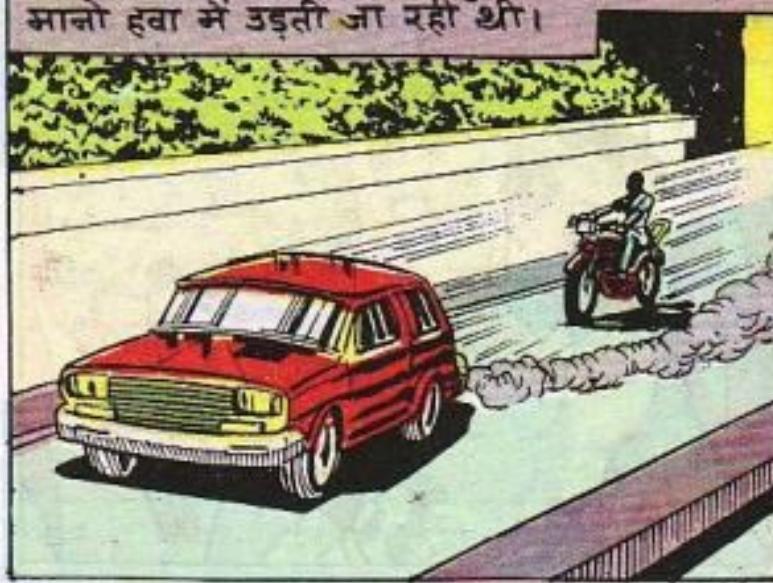
अंदर - जुपिटर सर्कस में मौत का तांडव भचा था-

आग की स्वूरखार लपटें हर किसी को अपनी लपेट में लेने के लिए लपक रही थीं।

जौत की दहशत से आग यहे गैंडे और हाथियों के पैदों तले कई नामी कलाकार कुचले जा रहे थे।

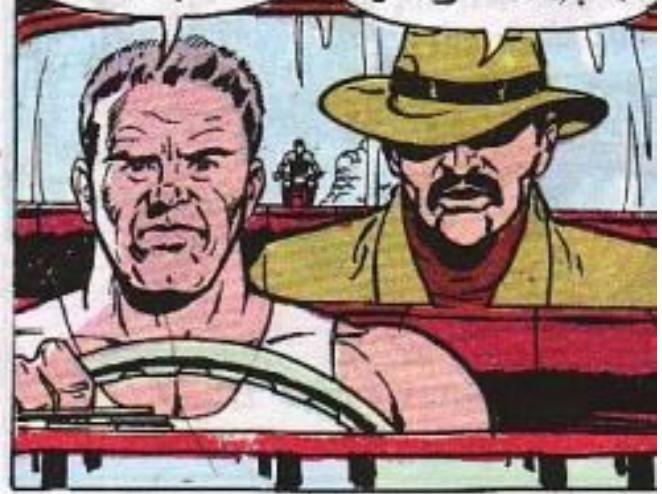


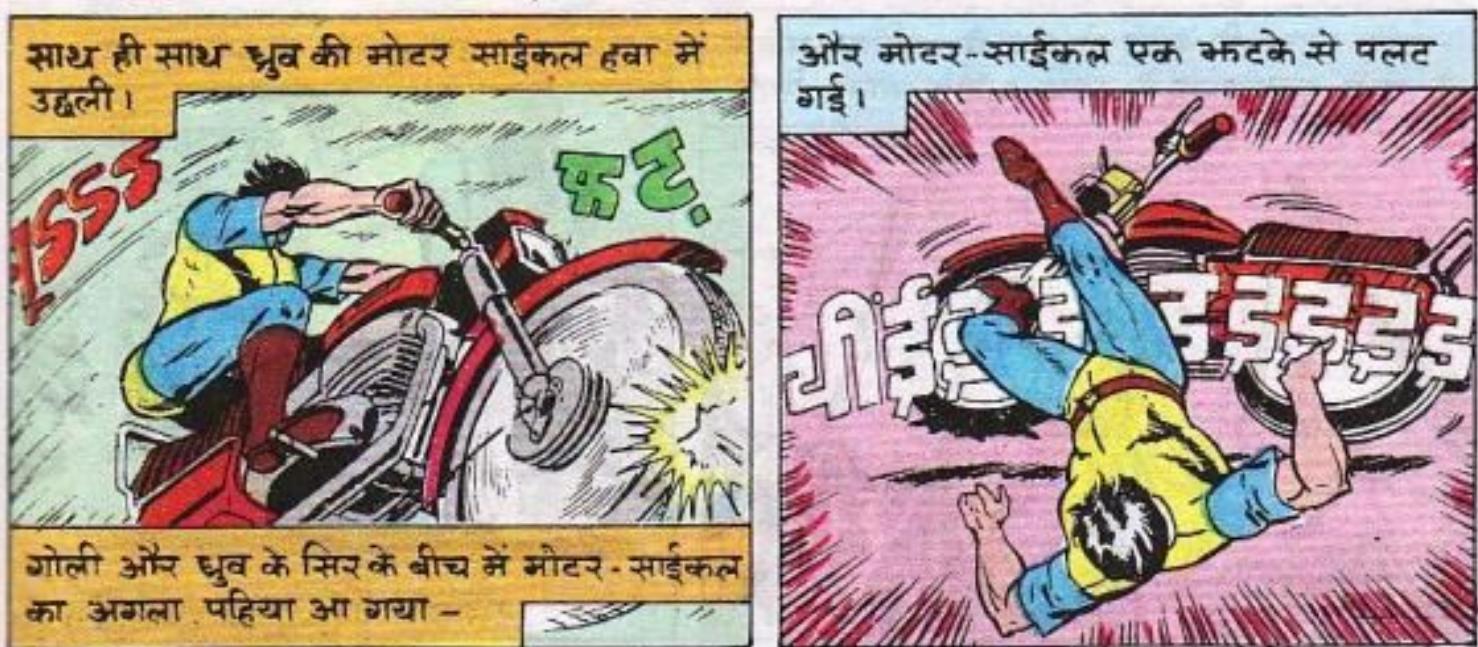
लेकिन इन सबसे अंजान धूब की मोटर साईकल मानो हवा में उड़ती जा रही थी।



धूब अब भी हमारे पीछे लगा है, बांड !

चिंता मत करो, जुविस्को ! यह काम तुम मुझपर ढोड़ दो...





- लेकिन ध्रुव के वहां पहुंचने से पहले ही सब कुद्द मर्हम हो चुका था।

आग की प्रचंड जपटों ने सब कुहु जला कर रास्ता कर दिया था।



- और साथ ही रास्ते हो गए थे, जुपिटर स्क्रिप्ट के सभी कलाकारों के साथ, धूब के माता-पिता शादी और इयान।



भूत अब इस दुनिया में अकेला था -



उसने धीरे-धीरे अपना चेहरा उठाया।  
आंसुओं से भीगे उसके चेहरे पर दो आंखें  
अंगारों की तरह चमक रही थीं।



मैं इस राख को उठाकर कसम  
खाता हूँ कि मैं उन खूबार  
दरिद्रों को नहीं द्वाइँगा !



## प्रतिशोध की ज्वाला

...यह धूब की प्रतिज्ञा है...

और धूब अपनी बात पर अटल रहता है!

अचानक आकाश पर दूर-दूर तक घने बादल ढा गए। बिजलियां कड़कने लगीं और हवा तेजी से बहने लगी।

और जोरें से बारिश ब्रुज्ज हो गई। घटना-स्थल जाहर से दूर होने के कारण फायर-शिगेड की डाकियां अब तक नहीं आ पाई थीं।



शायद भगवान् स्वयं धूब की इस प्रतिज्ञा से दहल उठे थे।



लेकिन अब उनकी आवश्यकता भी नहीं थी।

बारिश की तेज़ बैंद्रार ने जुपिटर सर्कस की आग को पूरी तरह बुझा दिया था।



परंतु धूब के दिल में लगी आग अब तक धधक रही थी।

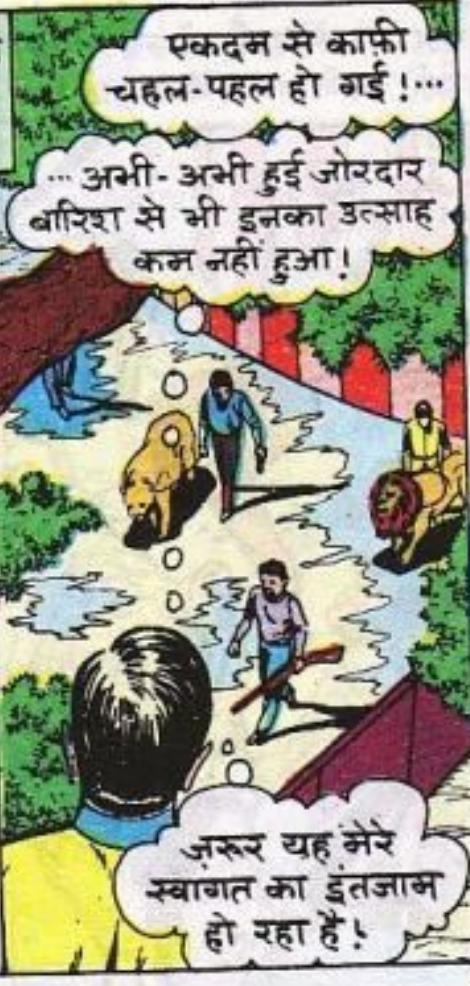
वह मुड़ा...



...और तेजी से एक तरफ चल पड़ा।

### प्रतिशोध की ज्वाला





लगता है इसी के बल से पूरे 'ब्लोब सर्कस' की बिजली सम्पार्दा होती है !

• और के बल एक झटके में जीचे जमीन पर आ गिया ।

### प्रतिशोध की ज्वाला

थोड़ी देर पहले हुई बारिश से जनीज अभी तक गीली थी।



पल भर में 'हाई-वोलटेज' की बिजली चारों तरफ फैल गई।



पहरेदारों और स्कूलस्टॉर जानवरों को मुंह तक स्वोलने का मौका नहीं मिला।



जल्दी ही सभी पहरेदार और डोर-चीते गीली जनीज पर बेहोश पड़े थे।

अंदर -

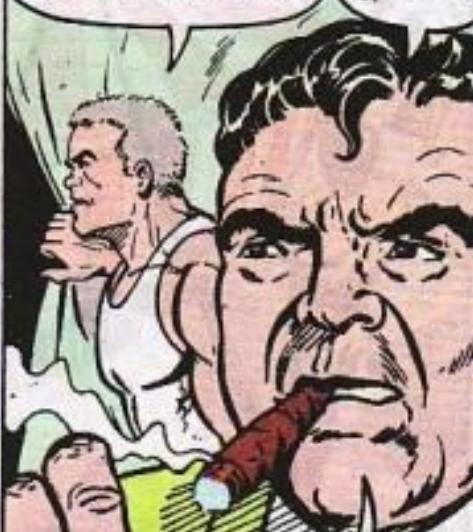
यह क्या हुआ जुबिस्को? बिजली कैसे घली गई?



अभी 'इमरजेंसी लाईट' जलाकर देखता हूं, बॉस! ...

जगता है केबल दूट गया है, बॉस!

केबल दूट गया?



पर कैसे?

जवाब में एक सर्द आवाज़ गूंजी -

मैंने तोड़ है!



क... कौन?

प्रतिशोध की ज्वाला



## प्रतिशोध की ज्याला



## प्रतिशोध की ज्याला

भूख से बेचैन शैतान ध्रुव पर छलांग लाने के लिए झुका -



कि तभी - ध्रुव के गले से एक हल्की सी घुरघुराहट निकली।

- शैतान हलांग मारते -  
मारते रुक जाया। उसके काल स्वड़े हो गए।



वह कुद्द मुज रहा था। -

ओर यकायक - एक खूब जमा देने वाली दहाड़ के साथ उसने ध्रुव पर छलांग लगा दी।



अगले ही पल - उसके दोनों अगले पंजे ध्रुव के कंधों पर थे-



और तेज दांत रस्सी पर -

शैतान ने एक अटका दिया -



ओर रस्सी  
के कई टुकड़े  
हो गये।

जानवर कितना भी खूबसूर हो, लेकिन ध्रुव की प्यार की बोली समझता है!



ध्रुव ने  
रस्सी को कसकर खीचा -

### प्रतिशोध की ज्वाला

और बॉन्ड ज़मीन पर आ गिरा -



लेकिन इसी धीरे ध्रुव का ध्यान एक क्षण के लिए जुबिस्को पर से हट गया -

अब तुम्हारी बारी ...



ध्रुव की गरदन एक फौलादी शिकंजे में कंस गई।



- और उसकी अर्देन की हड्डियां कड़कने लगीं।

एक झटका लगा और ध्रुव के गले से धीरे निकल गई।



व्यांकि वह सबसे गया था कि ध्रुव उसका दोस्त है।

और जुबिस्को उसका दुश्मन !

वह जुबिस्को पर टूट पड़ा-

**तड़.**



जुबिस्को की दर्दनाक धीरे रात के मन्नाटे में गूँजने लगीं।





